

मास हस्तिरिया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड के एक स्कूल से कुछ बच्चों के बना किसी वजह एकसाथ रोने, चीखने, ज़मीन पर लोटने, सरि पटकने और रोते-रोते बेहोश हो जाने की घटना हुई, जसि 'मास हस्तिरिया'का मामला माना जा रहा है।

प्रमुख बदि

- सूत्रों के अनुसार यह घटना उत्तराखंड के बागेश्वर ज़िले के रैखोली जूनियर हाईस्कूल की है, जसिमें रोती-चीखती, बेसुध होती लड़कियाँ 8वीं कक्षा की बताई जा रही हैं। कुल 8 बच्चों में ये दक्कत पाई गई थी। इनमें 6 छात्राएँ और 2 छात्र थे।
- बागेश्वर के डपिटी सीएमओ हरीश पोखरियाल ने बताया कि बच्चों से बात करके पता चला कि वे पहले से घबराए हुए थे और खाली पेट स्कूल आए थे। उन्होंने कहा कि यह मामला मास हस्तिरिया का है या नहीं? यह पूरी जाँच के बाद ही साफ होगा। हालाँकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबकि उत्तराखंड में इस तरह के 'मास हस्तिरिया'के मामले पहले भी अल्मोड़ा, पथौरागढ़, चमोली ज़िलों के स्कूलों में देखे गए हैं।
- 'मास हस्तिरिया' के सभी उदाहरणों में लोगों के अचानक चीखने, रोने और बेहोश होने की घटनाएँ दर्ज की गई हैं। साल 2018 में नेपाल के प्यूथान ज़िले के स्कूल में एक 9 साल की बच्ची रोने और चीखने लगी थी, देखते-ही-देखते स्कूल में 47 बच्चों को रोते और चीखते हुए पाया गया था। उसी स्कूल में साल 2017 और साल 2016 में भी एक ही दनि कई बच्चों में एक जैसे बर्ताव या लक्षण देखे गए थे। इसे रपिंट होने वाले 'मास हस्तिरिया' का अनूठा मामला माना गया था।
- इसके अलावा, मई 2001 में भारत की राजधानी दलिली में मंकीमैन की अफवाह ने भी मास हस्तिरिया का रूप ले लिया था। लोगों ने सूरज ढलने के बाद घर से निकलना बंद कर दिया था। कई लोगों ने दावा किया था कि उन पर मंकीमैन ने हमला किया। तीन लोगों की मौत हो गई थी, जो डर से भागने के दौरान छत से गरी गए थे। लोगों के शरीर पर नाखून और दाँतों के नशान मलि थे। पूरे मामले की जाँच के बाद पुलिस ने मंकीमैन को महज़ एक अफवाह बताया था। बाद के अध्ययनों से साफ हुआ कि यह 'मास हस्तिरिया' था।
- हेल्थलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबकि 'मास हस्तिरिया'के मामलों में ज़यादातर देखा-देखी और सुनी-सुनाई बातों के ज़रयि कोई घटना होती देखी गई है। जैसे दूसरों में जो बर्ताव, हरकत या लक्षण लोग देखते या सुनते हैं, अक्सर खुद भी वही करने लगते हैं या महसूस करते हैं।
- कोई खतरा जो असल में न हो, लेकिन उस खतरे के प्रतिलोगों के एक समूह में डर हो, ऐसी स्थिति के लयि भी कुछ एक्सपर्ट्स 'मास हस्तिरिया'शब्द का इस्तेमाल करते हैं।
- 'मास हस्तिरिया'के पीछे कोई अफवाह, हरकत, सोच, डर या खतरा जैसी चीज़ें होती हैं। इसके लक्षण वास्तविक होते हैं, भले ही उसके पीछे असल में कोई खतरा या स्वास्थ्य समस्या न हो। मास हस्तिरिया के लक्षण अचानक शुरू और खत्म हो जाते हैं। इसके लक्षणों में सीने में दर्द, सुस्ती, सरि दर्द, बेहोशी, कांपना, आंशकि पैरालिसिस, हँसने या रोने लगना शामिल हैं। जाँच-पड़ताल के बाद भी इसमें दखिने वाले लक्षणों या हरकतों की वजह का पता नहीं चलता।